अखिल भारतीय गांधर्व महाविद्यालय मंडल, मुंबई.

परीक्षा सत्र : नवम्बर -दिसम्बर 2025

परीक्षा का नाम : अलंकार प्रथम (प्रथम प्रश्नपत्र)

विषय : कथ्थक

दि. 16/11/2025 **समय : (सुबह 9 से 12)** **कुल अंक : 100**

सूचना : 1) प्रथम प्रश्न अनिवार्य है ।
2) कुल पाँच प्रश्न हल करे ।
3) सभी प्रश्नों के अंक समान है ।

प्र.1) लिपीबद्ध कीजिये। (कोई 4) **(4x5=20)**

1) झपताल के ठेके को 1 $\frac{1}{2}$ लयकारी में 10 मात्रा में ही लिखे । आरंभ कौन सी मात्रा से होगा यह दर्शाये ।
2) रासताल में सादी आमद, जो तीन आवृत्ति की हो ।
3) लक्ष्मीताल में प्रिमेलू तोडा ।
4) अष्टमंगल ताल (22) में फरमाईशी तोड़ा ।
5) बसंत ताल में तिश्र जाति का कवित्त ।

प्र.2) प्रश्नों के उत्तर दिजिये ।

1) नाट्यशास्त्र में कुल कितने रस का वर्णन हमें मिलता है । **(1)**
2) ''मार्ग'' से आपकी क्या समज है ? नाट्यशास्त्रानुसार मार्ग कुल कितने प्रकार के होते है ? **(3)**
3) ''लय'' शब्द कौन सी धातु से उत्पन्न हुआ है ? लय का अर्थ समझार्ये । **(2)**
4) दों प्राचीन अवनध्द वाद्यों के नाम बतायें । **(2)**
5) दक्षिण भारत की और उत्तर भारत की गायन-शैलियों के नाम बतायें, जो शाब्दिक चातुर्य और ताल वैविध्य प्रदर्शन की समान गायन-शैलियाँ है । **(2)**
6) तीनताल की एक आवर्तन में एकताल को लिपिबध्द किजिये । यह कौनसी लयकारी बनेगी ? **(3)**

7) झपताल में 1 $\frac{1}{4}$ (¾) लयकारी को एक ही आवर्तन में सम पर आयें ऐसे लिपिबध्द करें। प्रारंभ कौनसी मात्रा से होगा ? (2)

8) तीनताल की एक आवर्तन में कहरवा ताल को लिपिबध्द किजिये। यह कौन सी लयकारी बनेगी ? (2)

9) एकताल में तीनताल को लिपीबध्द करें। यह कौनसी लयकारी होगी। (3)

प्र.3) अ) पुरातत्व में नृत्य के संदर्भ कहाँ मिलते है ? (10)

ब) क्या नृत्यप्रदर्शन में आधुनिक तकनिकि साधनों से सहायता प्राप्त होती है ? अपने विचार स्पष्ट करे। (10)

प्र.4) अ) कथकनृत्य में उपयुक्त भ्रमरियों तथा चारियों का नाट्यशास्त्रानुसार विवरण दिजियें। (10)

ब) नाट्यशास्त्रानुसार रस-दृष्टियाँ, स्थायीभाव-दृष्टियाँ तथा अन्य चार प्रकार की दृष्टियों के सिर्फ नाम लिखे। (10)

प्र. 5) किसी भी एक सुप्रसिध्द कथक नृत्यकार की प्रस्तुति की संपूर्ण समीक्षा-विवेचन किजीए। (वर्तमानकाल का कलाकार) (20)

प्र.6) जानकारी लिखिए। (4x5=20)

1) ''जाति'' तथा उसके प्रकार।
2) बोलजाति तथा लयजाति।
3) ''ग्रह'' की संपूर्ण जानकारी, प्रकारों के साथ।
4) ''तिहाई'' तथा उसके विविध स्वरुप प्रकार।

प्र.7) निबंध लिखे।

अ) कथक नृत्य में लय-लयकारी का स्थान। (10)

ब) कथक नृत्य का अभिनय-पक्ष। (10)

Exam : Alankar Pratham (First Paper)

Subject : Kathak

Date : 16/11/2025 Timing : 9am to 12 noon Total Marks - 100

Note : 1) First question is compulsory.
2) Solve any 5 questions in total.
3) All question have equal marks.

Q.1) Write Notation of the following. (Any 4) (4x5=15)

1) Theka of Jhaptaal in $1\frac{1}{2}$ (¾) Laya. (Should be completed in 10 Marta must mention.)
2) Sadi Amad in RaasTaal (of three Avartans).
3) Primelu Toda in Laxmi Taal.
4) Farmaishi Toda in Ashtamangal Taal (22).
5) Tishra Jaati Kavitta in Vasant Taal.

Q.2. Answer the following.

1) How many types of Rasa's are described in Natyashashtra. **(1)**
2) What do you understand by "Marg"? According to the Natyashashtra, how many types of "Marg" are there? **(3)**
3) From which root (Dhatu) is the word "Laya" derived? Explain the meaning of "Laya". **(2)**
4) Name two ancient musical instrument -Avanadhya Vadhya. **(2)**
5) Name the singing style of South India and North India which equally showcase verbal dexterity (Shabdik Caturya) and rhythmic diversity (Taal Vaividhya) **(2)**

6) Write one cycle (Avartan) of Ektaal within one cycle (Avartan) of Teentaal, which type of Layaari (Rhythmic Variation) will this represent? (3)

7) Write in Jahptaal showing Savagun $1\frac{1}{4}$ ($\frac{5}{4}$) Layakari such that it ends on "Sam" within one cycle (Avartan). From which Matra will it begin? (2)

8) Write kaharwa taal within one cycle (Avartan) of teen taal what type of Layakri will these represent? (2)

9) Write Teental in Ektal within one cycle (Avartan) what type of Layakari will this be? (3)

Q. 3) A) In archaelogy (Puratatva), where are references to Dance Found? (10

B) Does Dance performance get enhanced by Modern technological tools? Explain your views clearly. (10)

Q. 4) A) Describe the Bhramaries (Spins) and Charies (Leg movements) in Kathak Dance according to the Natyashashtra. (10)

B) According to the Natyashshtra, write only the names of Drishtibhedas - Rasa-based, Sthayi-bhav based and four others. (10)

Q. 5) Critically review and analyze the presentation of any one renowned Kathak Dancer. (A contemporaty Artist). (20)

Q. 6) Answer in Brief. **(4x5=20)**

1) "Jaati" and it's types.

2) Boljaati and Layajatti.

3) Complete information of "Graha" (Starting Point of Rhythm) along with it's types.

4) Tihai and it's Various Forms / Types.

Q. 7) Essays on the following topics.

1) The Significance of Laya-Layakari in Kathak Dance. (Rhythm and Rhythmic Variations). **(10)**

2) The expressive aspect (Abhinaya Paksha) of Kathak Dance. **(10)**